These Terminology prepared by: SONU (HEETSON)

Terminology of Sanitary for Plumber Trade students

1. **सीवेज (Sewage)** – घरों, औद्योगिक इकाइयों में प्रयोग किये गए पानी और ग्राउंडवाटर को सीवेज कहते है, इसमें जैव और घुलनशील अपदर्व मिले होते है |

2. **कूड़ा (Garbage)** – फलों व सब्जियों के छिलके आदि जो ठोस व् अर्धठोस रूप में होते है, को कूड़ा कहते है |

3. **कचरा (Refuse)** – सड़कों पर पड़े हुए पेड़ों के पत्ते, रद्दी कागज के टुकड़े आदि को कचरा कहते है |

4. **गंदगी (Rubbish)** – इसमें रद्दी कागज के टुकड़े, मकान बनाने की सामग्री, टूटा हुआ फर्नीचर आदि को गंदगी कहते है

5. **सैनेटरी सीवेज** – घरेलु वेस्ट वाटर व मल जल जो व्यापारिक भवनों व फैक्ट्रीओं से भी आता है, को सैनेटरी सीवेज कहते है |

6. **तूफानी सीवेज (Storm sewage)** – वर्षा का वह फालतू पानी जो जमीन पर तरता है, उसे तूफानी सीवेज कहते है |

7. **औद्योगिक वेस्ट (Industrial waste)** – औद्योगिक इकाइयों से जो तरल अपशिष्ट (Liquid waste) आता है, उसे औद्योगिक वेस्ट कहते है |

8. **राख (Ashes)** – कारखानों की भट्ठियों और घरेलु अंगीठियों में कोयला, लकड़ी और हार्ड कोक जलाने के बाद जो सामग्री अवशेष के रूप में बचती है, उसे राख कहते है |

9. **सीवर (Sewer)** – जमीन के निचे पाइप या वृताकार व वर्गाकार क्रोस सेक्शन की नाली जिसके द्वारा सीवेज को ले जाया जाता है, उसे सीवर कहते है |

10. **घरेलु सीवर** – घरों से मेन सीवर तक घरेलु सीवेज को ले जाने के लिए जिन पाइपों का प्रयोग करते है, जिसे घरेलु सीवर कहते है |

11. **ब्रांच सीवर** – सीवर की छोटी-छोटी ब्रांच लाइनें जो सीवेज की थोड़ी-थोड़ी मात्रा लाती है और मेन सीवर में पहुंचाती है, को ब्रांच सीवर कहते है

12. **संयुक्त सीवर (Combined sewer)** – ऐसा सीवर जिसमें तूफानी जल, जमीन की सतह का जल और नालियों का जल प्रवाहित होता है, उसे संयुक्त सीवर कहते है |

13. **तूफानी सीवर** – वह सीवर जो सीवेज को छोड़कर केवल तूफानी जल, जमीन की सतह का जल और गलियों के जल को बहाकर ले जाता है, उसे तूफानी सीवर कहते है |

14. **सैनेटरी सीवर** – इस प्रकार के सीवर में केवल सैनेटरी सीवेज की ले जाया जाता है |

15. **सीवरेज (Sewerage)** – सीवेज या मलजल को जमीन के निचे से (Underground) ले जाने के लिए जिस साधन का प्रयोग किया जाता है, उसे सीवरेज कहते है | यह पाइप तथा ढकी नालियों में बने होते है |

16. **इन्वर्ट (Invert)** – सीवर की सबसे निचली अंदरूनी सतह को इन्वर्ट कहते है, यह एक प्रकार का फर्श है |

17. **इन्वर्ट लेवल (Invert level)** – जब सीवर की पाइप लाइन बिछाते है तो पाइप की अंदरूनी सतह को ढलान में रखा जाता है | जिसे बोनिंग रॉड द्वारा रखा जाता है, इसे इन्वर्ट लेवल कहते है | यह पाइप की निचली सतह से रखी जाती है |

18. **मेन होल** – जहाँ पर सीवर या ड्रेन में मोड़ होता है या जहाँ व्यास बदलते है, वहां पर मेन होल बनाये जाते है | इसके अन्दर कोई आदमी जाकर सीवर का निरिक्षण कर सकता है | इसके ऊपर एक ढक्कन लगा होता है |

BharatSkills.in

19. **क्लीनिंग आई (Cleaning eye)** – सीवर में कई जगह क्लीनिंग आई होल रखे जाते है, जिनके मुख पर ढक्कन लगा होता है | इसके हटाने पर सीवर रॉड डालकर सीवर की सफाई की जाती है |

20. **ड्रेन (Drain)** – घरों, होटलों, रसोई, बाथरूम, वाश बेसिन, सिंक का गन्दा पानी, घर की छत का वर्षा का पानी जिस माध्यम के द्वारा सीवर तक पहुँचता है, उसे ड्रेन कहते है |

21. **सरफेस वाटर ड्रेन (Surface water drain)** – जिस ड्रेन में सरफेस वाटर और तूफानी जल ले जाया जाता है, उसे सरफेस वाटर ड्रेन कहते है |

22. **ट्रैप (Trap)** – सीवर व ड्रेन की गन्दी गैसों को घरों के अन्दर की पाइप लाइनों में आने से रोकने के लिए जिस सैनेटरी फिटिंग का प्रयोग किया जाता है, उसे ट्रैप कहते है |

23. **वाटर सील** – ट्रैप की आकृति इस प्रकार की होती है की इसमें गहराई वाला मोड़ बना होता है जिसमे हमेशा पानी रहता है और इस पानी को ही वाटर सील कहते है क्योंकि यही पानी सीवर की गन्दी गैसों को अन्दर नहीं आने देता है |

24. **Waste पाइप** – घरों की रसोई, बाथरूम, सिंक तथा वाश बेसिन का गन्दा पानी जिन पाइपों से सीवर तक पहुँचाया जाता है, उसे waste वाटर पाइप कहते है | यह अधिकतर P.V.C. पाइप होते है |

25. **Soil Pipe** – शोचालयों में मलजल को ले जाने के लिए जिन पाइपों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें साइल पाइप कहते है

26. **वेंट पाइप** – सीवर के अन्दर की गन्दी गैसों को बाहर करने तथा शुद्ध हवा भेजने के लिए वेंट पाइप का प्रयोग किया जाता है |

27. **W.C. Connector** – यह Soil पाइप का वह भाग है, जो वाटर क्लोजेट एवं ट्रैप को ड्रेन पाइप से जोड़ने के लिए प्रयोग करते है |

28. **सॉकेट** – पाइप लाइन में सॉकेट जोड़ में जो फीमेल पाइप सिरा होता है, उसे सॉकेट कहते है |

29. **Cone Cap Cowl** – वेंटिलेशन पाइप के उपरी सिरे पर एक जालीदार ढक्कन लगाया जाता है | इसके कारण वेंट पाइप में कोई वस्तु नहीं गिर सकती है | इसका उपरी सिरा शंकु के आकार का होता है |

30. **Spigot** – पाइप लाइन में स्पाईगोट और सॉकेट जोड़ मे जो Male pipe सिरा होता है, उसे Spigot सिरा कहते है |

31. **वाटर हैमर (Water Hammer)** – जब पाइप लाइन में पानी का प्रवाह एकदम रूकता है तो पानी में दबाव की तरंग उत्पन्न होती है, जो पाइप की दीवारों से टकराकर आवाज करती है | इसे वाटर हैमर कहते है | यह वाल्व के एकदम बंद होने से पानी के पैदा हुए झटके से होती है | इसमें पाइपों में पानी का दबाव इतना बढ़ जाता है की पाइप फट भी जाते है | इसे रोकने के लिए सेफ्टी वाल्व लगाये जाते है |

32. **Pipe shoe** – यह Rain water पाइप के निचले सिरे पर लगाया जाता है | इसके कारण पानी का वेग कम हो जाता है | यह भी कास्ट आयरन का बना होता है |

33. **Rain water pipe** – जिस पाइप के द्वारा वर्षा का जल ले जाया जाता है अर्थात सीवर तक पहुँचाया जाता है, उसे रेन वाटर पाइप कहते है |

Website www.bharatskills.in

YouTube HEETSON

Plumber ITI (Playlist)

Bharatskills.in